

2785

4. Write short notes on any **two** of the following :

7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Sankhya

सांख्य

(b) Karmayoga

कर्मयोग

(c) Sthitaprajña

स्थितप्रज्ञ

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **2785** **I**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad
and Geeta (Sanskrit B),
AEC (For Regular &
SOL Students)

Name of the Course : **Common Prog. AEC -
Sanskrit**

Semester : I

Time : 2 Hours **Maximum Marks : 60**

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना
रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit**
or in **Hindi** or **English**, but the same
medium should be used throughout the
paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी, किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. Giving an introduction to Ishavasyopanishad, describe the nature of Para – Apra Vidya.

15

ईशावास्योपनिषद् का परिचय देते हुए परा - अपरा विद्या के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

OR

अथवा

Discuss the topics covered in Upanishads as a scripture that destroys ignorance and propagates knowledge.

अज्ञाननाशक - ज्ञानप्रतिपादक शास्त्र के रूप में उपनिषद् के वर्ण्य विषयों पर चर्चा कीजिए।

2. Write short notes on any **two** of the following :

7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Satya

सत्य

(b) Avidya

अविद्या

(c) Aparigrah

अपरिग्रह

3. 'Following one's own religion is the main message of the Srimadbhagavadgita ; Review this statement.'

15

‘स्वधर्म का पालन ही श्रीमद्भगवद्गीता का मुख्य संदेश है’ - इस कथन की समीक्षा कीजिए।

OR

अथवा

‘Srimadbhagavad Gita is a timeless text’- Throw light on the relevance of Srimadbhagavadgita in the light of this statement.'

‘श्रीमद्भगवद्गीता कालातीत ग्रंथ है’ - इस कथन के आलोक में श्रीमद्भगवद्गीता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।